* 0000800000001 * DFD

CAMBRIDGE International Education

Cambridge IGCSE™

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

* 7 6 7 3 7 9 2 0 9 5 *

HINDI AS A SECOND LANGUAGE 0549/01

Paper 1 Reading and Writing

February/March 2026

2 hours

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

INSTRUCTIONS
- Answer **all** questions.
- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do **not** use an erasable pen. Do **not** use correction fluid or tape.
- Do **not** write on any bar codes.
- Dictionaries are **not** allowed.

INFORMATION
- The total mark for this paper is 60.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [ ].

This document has **16** pages.

NL 355667/2
© Cambridge University Press & Assessment 2026

[Turn over

अभ्यास 1: प्रश्न 1–6

'विनिकुंका या इंद्रधनुष पर्वत' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्षों से आधुनिकता और पुरातत्व के रोचक मिश्रण के कारण पेरू दक्षिण अमरीका में पर्यटन को आकर्षित करता रहा है। किंतु, हाल के वर्षों तक विनीकुंका पर्वत बाहरी दुनिया के लिए अपेक्षाकृत अज्ञात रहा। सन 2000 की शुरुआत में, हिमनद पिघलने पर उसके चमकीले रंग प्रकट हुए, जिसने पर्यटकों और विशेषरूप से फोटोग्राफरों का ध्यान आकर्षित किया। आज, पर्यटन गाइड आगंतुक सैलानियों को विनीकुंका की लुभावनी सुंदरता को प्रत्यक्ष रूप से दिखाने ले जाते हैं।

विनिकुंका, जिसे रेनबो माउंटेन के नाम से भी जाना जाता है, पेरू में स्थित एक आकर्षक भौगोलिक स्थल है। यह समुद्र तल से 5,200 मीटर की ऊँचाई पर है। पहाड़ की सात रंगीन धारियाँ 14 विभिन्न खनिजों की परतों से बनी हैं। विनीकुंका तक पहुँचने के लिए, आप कुस्को से सैलानी बस ले सकते हैं या फिर लगभग 5 किलोमीटर की चढ़ाई कर सकते हैं। यात्रा करने का सबसे अच्छा समय अगस्त में शुष्क मौसम के दौरान होता है, जब पहाड़ के चमकीले रंग सबसे अधिक स्पष्ट दिखाई देते हैं।

विनीकुंका का एक दिलचस्प इतिहास है जो भूविज्ञान और स्थानीय संस्कृति दोनों से संबंधित है। विनीकुंका के जीवंत रंग अद्‌वितीय भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के परिणाम हैं। पर्वत की विशिष्ट धारियाँ तलछटी की चट्‌टान की परतों से बनती हैं, जिनमें से प्रत्येक में अलग-अलग खनिज होते हैं। लाखों वर्षों में, ज्वालामुखी की गतिविधि और मौसम ने इन रंगीन परतों को उजागर किया, जिससे मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रभाव पैदा हुआ जो हम आज देखते हैं।

पहाड़ का रंग विभिन्न प्रकार के खनिजों से आता है, जिनमें आयरन ऑक्साइड से लाल और भूरा, क्लोराइट से हरा और सल्फर से पीला रंग शामिल हैं। खनिजों और उनकी ऑक्सीकरण अवस्थाओं के सटीक संयोजन पहाड़ की सतह पर इंद्रधनुष जैसी सतरंगी धारियाँ बनाते हैं।

सदियों से, वहाँ के स्थानीय निवासी विनीकुंका को एक पवित्र स्थल के रूप में पूजते थे। उनका मानना था कि पहाड़ पर शक्तिशाली आत्माओं का निवास है। इसकी ढलानों पर धार्मिक उत्सव आयोजित किए गए, जो प्राकृतिक दुनिया को आध्यात्मिक क्षेत्र से जोड़ते थे।

किंतु बढ़ता हुआ पर्यटन पर्वत के पर्यावरण संरक्षण के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है। पैदल यातायात पहाड़ की नाज़ुक परतों को नष्ट कर सकता है, जिससे पहाड़ का स्वरूप प्रभावित होने की आशंका है। पर्यटन को संरक्षण के साथ संतुलित करने के प्रयास चल रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ इस प्राकृतिक आश्चर्य को देखना जारी रख सकें। जब आप विनिकुंका के ऊपर खड़े होते हैं, तो आप न केवल भूवैज्ञानिक चमत्कार देखते हैं बल्कि एक समृद्‌ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से भी जुड़ते हैं।

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

1 आधुनिकता और पुरातत्व का मेल पेरू की किस चीज को आकर्षक बनाता है?

.... [1]

2 एक लंबे समय तक विनिकुंका के पर्वत की सतरंगी धारियाँ कहाँ छिपी हुई थीं?

.... [1]

3 पर्वत तक पहुँचने के लिए कौन से **2** साधन उपलब्ध हैं?

....

.... [2]

4 पर्वत की सतह पर अलग-अलग रंगों की धारियाँ कैसे बनीं?

.... [1]

5 पर्यटकों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय क्यों है?

.... [1]

6 विनीकुंका के कौन से पहलू उसे विज्ञान **और** संस्कृति से जोड़ते हैं?

....

.... [2]

[पूर्णांक 8]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

अभ्यास 2: प्रश्न 7–15

'गंगा तलाव' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A–D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

A 2 नवंबर 1834 को 36 भारतीय मजदूर हिंद महासागर के एक ज्वालामुखी द्वीप, मॉरीशस में गन्ने के खेतों में ठेके पर मजदूरी करने के लिए लाए गए थे। इस पहले दल ने जिन सीढ़ियों पर चढ़कर मॉरीशस की ज़मीन पर पैर रखे थे, उसका स्मारक, 'आप्रवासी घाट' आज मॉरीशस का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। आप्रवासी घाट की इन सीढ़ियों पर चढ़ कर अगले 80 वर्षों तक लाखों भारतीय गन्ने के खेतों में मजदूरी करने पहुँचते रहे। उनमें से कुछ तो अपना अनुबंध पूरा करने के बाद भारत लौटे, पर अधिकांश वहीं रह गए। आज 'लघु भारत' कहलाने वाले मॉरीशस की चौथी/पाँचवीं पीढ़ियाँ वहाँ की जनसंख्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत और भाषा को बचाए हुए हैं।

B आप्रवासियों में से मॉरीशस के एक गाँव, त्रिओले में रहने वाले पंडित झूमन गिरि गोसांई नेपाल ने एक रात स्वप्न में एक पवित्र झील देखी जिसका पानी 'जाह्नवी' से निकलता है और इस प्रकार गंगा का हिस्सा बनता है। पंडित ने उस झील की खोज शुरू की और चलते-चलते वह ग्रैंड बेसिन झील तक पहुँचे। झील देखते ही वे स्वप्न में देखी झील को पहचान गए। ग्रैंड बेसिन एक क्रेटर झील है जो मॉरीशस के मध्य में सवाने जिले के एक एकांत पहाड़ी क्षेत्र में समुद्र तल से लगभग 550 मीटर ऊपर स्थित है। 1866 में, जब पंडित अपना पहला अनुबंध समाप्त होने के बाद रीयूनियन द्वीप के माध्यम से एक व्यापारी के रूप में मॉरीशस वापस आए, तो वे अपने साथ ग्रैंड बेसिन की स्मारिका और वहाँ के निवासी मजदूरों को बेचने के लिए भारत से कपड़ा लेकर आए। कपड़े बेचने से अर्जित धन से, उन्होंने त्रिओले में मिस्टर लैंग्लोइस की हवेली खरीदी और ग्रैंड बेसिन को एक तीर्थ स्थान बनाने के अपने सपने को साकार किया। उन्होंने पहले ही एक जमींदार के रूप में मॉरीशस के फ्रांसीसी शासकों का सम्मान जीत लिया था, इसलिए वे आसानी से अपनी योजना को कार्यांवित कर सके।

C उन्होंने पोर्ट लुइस के कुछ कारीगरों की सहायता से हवेली को मंदिर में बदल दिया। वे भारत गए और अन्य देवताओं के साथ एक विशाल शिवलिंग भी वापस लाए और उन्हें मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठित कराया। यह मॉरीशस का एकमात्र मंदिर है जहाँ भैरव को शिव और उनके परिवार के साथ एक मंदिर के अंदर प्रतिष्ठित किया गया है। 1866 में शिव के अभिषेक के बाद ग्रैंड बेसिन की ओर तीर्थयात्रा शुरू करने वाले वे पहले व्यक्ति थे। अभिषेक एक बहुत बड़ा त्योहार था जहाँ उन्होंने पुजारियों और अन्य लोगों को भूमि, बैलों के साथ गाड़ी और भारी मात्रा में धन दान किया था। गन्ने के खेतों में काम करने वाले सभी मजदूरों ने उसमें भाग लेने की इच्छा व्यक्त की लेकिन मजदूरों को धार्मिक उद्देश्यों के लिए छुट्टी लेने की अनुमति नहीं थी। उस समय इस झील को 'परी तालाब' के नाम से जाना जाता था। लोक कथा के अनुसार ऐसा माना जाता था कि रात के समय परियाँ वहाँ आकर नृत्य करती थीं।

D बाद में मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री रामगुलाम ने गोमुख से गंगा जल लाकर ग्रैंड बेसिन के शुद्ध पानी में मिलाया। तब से उसका नाम 'गंगा तलाव' रख कर उसे पवित्र झील घोषित किया गया। 'गंगा तलाव', जिसका शाब्दिक अर्थ 'गंगा की झील' है, मॉरीशस में सबसे पवित्र हिंदू स्थान माना जाता है। यह भारत की गंगा नदी के साथ ग्रैंड बेसिन के प्रतीकात्मक संबंध का संकेत है। झील के तट पर हिंदू धर्म के देवताओं में से प्रमुख शिव को समर्पित मंदिर और तलाव के किनारे हनुमान, देवी गंगा, दुर्गा और भगवान गणेश सहित अन्य देवताओं के मंदिर हैं। प्रति वर्ष शिवरात्रि के दौरान, मॉरीशस में लगभग पाँच लाख हिंदू पैदल चल कर झील की तीर्थयात्रा पर जाते हैं, जिनमें से कई लोग अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ अपने घरों से काँवड़ लेकर नंगे पैर चलते हैं। मॉरीशस के हिंदुओं का दृढ़ विश्वास है कि जितनी बार संभव हो, पवित्र 'गंगा तलाव' की यात्रा करके उसमें स्नान करना चाहिए।

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7–15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद किस वक्तव्य से संबंधित है।

उदाहरण:

'गंगा तलाव' मॉरीशस के मध्य भाग में स्थित है।

A ☐ B ☑ C ☐ D ☐

7 'गंगा तलाव' के पुराने नाम, 'परी तालाब' के साथ एक लोक-कथा जुड़ी है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 एक समय मॉरीशस फ्रांसीसियों के आधीन था।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 भारतीय मूल के लोग मॉरीशस में गन्ने के खेतों में मज़दूरी करने के लिए लाए गए थे।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 'गंगा तलाव' के मंदिर में शिव के परिवार के साथ अन्य देवियाँ और देवता भी प्रतिष्ठित हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 ग्रैंड बेसिन को हिंदुओं का पवित्र धार्मिक स्थल बनाने की प्रेरणा एक स्वप्न में मिली थी।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 भारत से बाहर हिंदू धर्म और संस्कृति के प्रचार और प्रसार के कारण मॉरीशस 'लघु भारत' कहलाता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

13 मॉरीशस में एक आप्रवासी भारतीय ने 'गंगा तलाव' में शिव मंदिर स्थापित करके शिवरात्रि का त्योहार मनाने की परंपरा प्रारंभ की।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

14 मॉरीशस में भारतीय मज़दूर अपने साथ अपनी भाषा और संस्कृति लेकर आए और काम समाप्त करने के बाद अधिकांश वहीं बस गए।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

15 'गंगा तलाव' मॉरीशस में बसे भारतीयों के साथ भारत की पवित्र गंगा नदी से जुड़ाव का प्रतीक है।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[पूर्णांक 9]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

Turn over

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'एक छोटी लावारिस बिल्ली' के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

आख़िरकार, वह दिन आ गया! परीक्षण, इंजेक्शन, ढेर सारी कागज़ी कार्यवाही, टाउन हॉल के कई चक्कर, रक्त के नमूने और अनुमान से अधिक पैसे लगने के बाद, शनिवार शाम को, डीडी हमारे पास आएगी। तुर्की की सड़क पर रहने वाली बिल्ली की बच्ची 2,230 मील की दूरी तय करके उन ब्रिटिश पशु प्रेमियों से मिलने आएगी, जो अगस्त में उसको अपना दिल दे बैठे थे। उसने सड़क, हवाई जहाज और नौका से यात्रा की होगी। जबकि गर्म देश में जन्मी हुई बिल्ली जनवरी में लंदन की ठंड में आकर पूरी तरह रोमांचित नहीं हो सकती है, पर हम उसे देखने के लिए और अधिक इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

आपको शायद याद होगा, मैंने पहली बार इस पागलपन भरी घटना के बारे में तब लिखा था जब मैं छुट्टियों से वापस आई थी। 12 वर्षों से प्रति वर्ष, मैं तुर्की के उसी मछली पकड़ने वाले गाँव में छुट्टियाँ बिताती रही हूँ और हमेशा बची हुई मछली और मांस को एक नैपकिन में छिपाकर लावारिस जानवरों को खिलाने के लिए रेस्तरां से बाहर तस्करी करती रही हूँ। फिर पिछली गर्मियों में, त्वचा और हड्डियों का यह मार खाया हुआ कंकाल, जिसके पैर उसके दुबले शरीर के अनुपात में बहुत लंबे थे, हमारे घर में घुस गया और बाहर जाने से इनकार कर दिया। हर बार जब बच्चे उसे रात के समय बाहर निकालने की कोशिश करते, तो वह मच्छरदानी में घुस कर अपने छोटे पंजों के सहारे उससे लटक जाती जहाँ से उसे अलग करने के सारे प्रयत्न विफल होते थे। जैसे वह सचमुच जानती थी कि हम उसकी एकमात्र उम्मीद हैं। जंगल में जन्मे एक जानवर के लिए उसका प्रेमपूर्ण स्वभाव असाधारण लग रहा था। वह हम सभी की गोद में एक जीवाश्म की तरह कसकर लिपट जाती। इतने छोटे आकार की किसी भी चीज़ का व्यक्तित्व इतना बड़ा कैसे हो सकता है? वह जल्द ही पूरे परिवार के लिए शर्तें तय कर रही थी। मैंने सुपरमार्केट से जो बिल्ली के खाने का टिन खरीदा था, उसने उसे ठुकरा दिया और हमारे बचे हुए भुने हुए मुर्गे के लिए दृढ़ प्राथमिकता का संकेत दिया। उसे पता चला कि मुर्गा फ्रिज में रहता है तबसे जब भी फ्रिज का दरवाजा खोला जाता तो वह उस पर हमला कर देती।

मैंने सोचा कि वह सड़क पर रहने वाली दूसरी बिल्लियों की रिश्तेदार होगी। पर एक दिन, दो बड़ी बिल्लियाँ आईं और बिना किसी उकसावे के उस पर हमला कर दिया। जब वह लौटी तो उसकी नाक कटी हुई थी, उसका पंजा घायल था और उसका कान खून से लथपथ था। वह सहम गई थी; इसीलिए उसने हमसे सुरक्षा माँगी।

'हम उसे घर क्यों नहीं ले जा सकते, माँ, हमारे चले जाने पर उसका क्या होगा', बच्चों ने पूछा। मैं इसके बारे में सोचना नहीं चाहती थी। 'हम बस नहीं ले जा सकते, यह ख्याल स्पष्ट रूप से हास्यास्पद है', कह कर मैंने बच्चों को कल्पना की उड़ान लेने से पहले ही रोकना चाहा। मेरी एक मित्र जो, लावारिस जानवरों के संरक्षण की संस्था से जुड़ी हुई थी और जिसने स्पेन से सड़क के एक लावारिस कुत्ते को बचाया था, हमारे साथ रह रही थी। उसने कहा, यूके में एक बिल्ली को घर ले जाना संभव था, लेकिन यह महँगा और मुश्किल होगा। इस बीच, मैं छोटी घायल बिल्ली को पशु चिकित्सक के पास ले गई। उसके घावों के लिए उसे एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएँ दी गईं। युवा महिला पशु चिकित्सक ने उसका इलाज करके उसकी दृढ़ता की प्रशंसा की कि वह कितनी प्यारी और साहसी थी।

'उसे यूके ले जाना पागलपन होगा, है ना?' मैंने कहा था। 'यदि आप उसे ले जाएँ, तो वह बहुत भाग्यशाली होगी, मुझे लगता है कि वह यहाँ अगली सर्दियों तक नहीं बचेगी,' पशु चिकित्सक ने धीरे से आगे बढ़ने से पहले उत्तर दिया।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

ख़ैर, इतना सुनना काफ़ी था, मैं उसे खोना नहीं चाहती थी, है ना? इसके अलावा, अब, छोटी बिल्ली का एक नाम था: डिडेम - या संक्षेप में डीडी।

गाँव की एक और अद्भुत पशुचिकित्सक, उसका पालन-पोषण करने और उसके सभी परीक्षणों और टीकाकरणों की देखरेख करने के लिए सहमत हो गई। और अब, शनिवार को, हम अपने परिवार के नये सदस्य की पहली झलक पाने का इंतज़ार कर रहे हैं। वह छोटी सी बिल्ली अपनी जान से चिपकी रही, और हज़ारों मील चलकर वहाँ पहुँच रही है जहाँ मुझे लगता है कि वह हमेशा रहना चाहती थी: उसका अपना सुरक्षित घर!

© Cambridge University Press & Assessment 2026

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

‘एक छोटी लावारिस बिल्ली’ आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16–19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 लेखिका की बिल्ली से पहली मुलाकात

- ....
- .... [2]

17 बिल्ली के व्यक्तित्व की विशेषता

- ....
- .... [2]

18 बिल्ली पर आक्रमण और लेखिका के परिवार की प्रतिक्रिया

- ....
- ....
- .... [3]

19 लेखिका का हृदय परिवर्तन

- ....
- .... [2]

[पूर्णांक 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर ‘एक छोटी लावारिस बिल्ली’ शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

अभ्यास 4: प्रश्न 20

अभ्यास 3 के आलेख ‘एक छोटी लावारिस बिल्ली’ में लेखिका ने बताया है कि कैसे एक लावारिस बिल्ली उसके परिवार का हिस्सा बन गई। बिल्ली के व्यक्तित्व की विशेषताओं, लेखिका द्वारा बिल्ली को घर लाने का कारण और जिन लोगों ने उसे वापस लाने में सहायता की, अभ्यास 3 के आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखें।

आपका सारांश **100 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको **अंतर्वस्तु के लिए** अधिकतम **4** अंक और **सटीक भाषा-शैली के लिए** अधिकतम **6** अंक दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

[10]

[पूर्णांक 10]

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

अभ्यास 5: प्रश्न 21

अपने मित्र को अपना प्रिय व्यंजन बनाने की विधि के बारे में ई-मेल लिखिए। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

1 प्रिय व्यंजन का विवरण
2 व्यंजन बनाने के लिए आवश्यक सामग्री
3 बनाने की विधि।

आपका ई-मेल लगभग **120** शब्दों में होना चाहिए। आपको पता लिखने की आवश्यकता नहीं है।

आपको **3 अंक अंतर्वस्तु** के लिए और **5** अंक **सटीक भाषा और शैली** के लिए दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

© Cambridge University Press & Assessment 2026

[8]

[पूर्णांक 8]

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

अभ्यास 6: प्रश्न 22

‘कृत्रिम बुद्धि हमारे प्रश्नों का समाधान करके भविष्य के लिए नयी संभावनाओं के द्‌वार खोलेगी।’

मानवता के लिए कल्याणकारी

मानवता के लिए विनाशकारी

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं? अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल पत्रिका के लिए अपना आलेख लगभग **200** शब्दों में लिखिए। आपका आलेख विषय की जानकारी पर केंद्रित होना चाहिए।

लिखित प्रस्तुति पर **अंतर्वस्तु के लिए 8** अंक तक और **सटीक भाषा के लिए भी 8** अंक तक दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

[16]

[पूर्णांक 16]

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (Cambridge University Press & Assessment) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in our Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge International Education is the name of our awarding body and a part of Cambridge University Press & Assessment, which is a department of the University of Cambridge.

© Cambridge University Press & Assessment 2026

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN